

विषय-सूची

पुरोवाक्	i
सम्पादकीय	iii-v
इकाई - 1 इतिहास एवं परिचय	1-15
प्रयोजन	1
प्रस्तावना	2
1.1 वास्तुशास्त्र एवं उसका स्वरूप	2-4
1.2 वास्तुशास्त्र का महत्त्व एवं उपयोगिता	4
1.3 वास्तुशास्त्र का उद्भव एवं विकास	4-5
1.4 वास्तुशास्त्र के प्रवर्तक	5-6
1.5 वास्तुशास्त्र के मानक ग्रन्थ एवं आचार्य	6-14
1.6 वर्तमान में वास्तुशास्त्र के अध्ययन केन्द्र	14-15
इकाई - 1 वास्तुशास्त्र का लक्ष्य एवं प्रतिपाद्य	16-26
प्रयोजन	17
प्रस्तावना	17-18
2.1 वास्तुशास्त्र का लक्ष्य	18
2.2 वास्तुशास्त्र का प्रतिपाद्य	18-19
2.3 वास्तुशास्त्र शक्तियों का उपयोग	19-24
2.4 वास्तुशास्त्र एवं पञ्चमहाभूत	24
2.4.1 आकाश	25
2.4.2 वायु	25
2.4.3 अग्नि	25
2.4.4 जल	26
2.4.5 पृथ्वी	26

इकाई - ३ वास्तु एवं उसके भेद

प्रयोजन

२७-२८

प्रस्तावना

२८

३.१ आवासीय वास्तु

२८-२९

१. पर्णकुटी/झोपड़ी

२९-३१

२. लकड़ी के घर

३१

३. कच्चे घर

३१-३२

४. पक्के घर

३२

क. हवेली/बंगलो, ख. महल, ग. फ्लैट

३२-३३

५. वास्तुसम्मत बहुमंजिले आवासीय फ्लैट्स का निर्माण

३३-३४

३.२ व्यावसायिक वास्तु

३४-३९

क. व्यापारिक

३४-३७

१. दुकान/शोरूम/कार्यालय

३४-३५

२. होटल/रिसार्ट/क्लब

३५-३६

३. अस्पताल/नर्सिंगहोम

३६

४. शिक्षा संस्थान

३६-३७

ख. औद्योगिक

३७-३९

१. कुटीर-उद्योग

३९

२. लघु-उद्योग

३९

३. मिल/कारखाने

३९-४०

३.३ धार्मिक वास्तु

४०-४३

धार्मिक संस्थान

४०

क. मन्दिर, गुरुद्वारा

४०-४१

ख. आश्रम/मठ/स्थानक/बौद्ध विहार

४१

ग. धर्मशाला/अतिथिगृह/सामुदायिक केन्द्र

४१-४२

घ. कूप/वापी/तडाग

४२-४३

ङ. सरोवर

इकाई - 4 भूमि एवं भूखण्ड विचार	44-85
प्रयोजन	45
प्रस्तावना	45
4.1 भूमि की गुणवत्ता	45-47
4.2 प्रशस्त भूमि	46
4.3 भूमि की ढलान (प्लवत्व)	48-51
4.4 भूमि परीक्षण, शल्योद्धार	51-55
4.5 आसपास का वातावरण	56-57
4.6 भूखण्ड की आकृति का अध्ययन	57-59
4.7 भूखण्ड का विस्तार व कटान	70-78
4.8 भूखण्ड पर वेधविचार	78-82
4.9 भूखण्डों की श्रेणियाँ	83-85

इकाई - 5 आवासीय वास्तु का निर्माण	86-121
प्रयोजन	87
प्रस्तावना	87
5.1 आवासीय भवन में कक्षों का निर्माण	87-97
5.2 आज के सन्दर्भ में भवननिर्माण की समीक्षा	97-102
5.3 द्वार-विचार (भवन का द्वार)	102-107
5.4 खिड़की/झरोखा/बरामदा	108
5.5 कुआँ, बोरिंग, भूमिगत टंकी	108-109
5.6 सेप्टिक टैंक	109-110
5.7 भवन की ऊँचाई	110-113
5.8 वास्तुसम्मत एवं वास्तुविरुद्ध नक्शे	112-117
5.9 वास्तुशास्त्र: पचास सूत्रों में	117-121

इकाई - ४ ज्योतिष एवं वास्तु

प्रयोजन

प्रस्तावना

६.१ ज्योतिष एवं वास्तु

६.२ खातशिलान्यास के लिये दिशा का विचार

६.३ गृहारम्भ का मुहूर्त

६.४ वृषवास्तु चक्र विचार

६.५ गृहारम्भ में निषेध

६.६ द्वारस्थापना मुहूर्त

६.७ नूतन-गृहप्रवेश मुहूर्त

६.८ कलश (कुम्भ) चक्र शुद्धि

६.९ जीर्ण-गृहप्रवेश मुहूर्त

६.१० सर्वत्र उपयोगी चन्द्र शुद्धि

६.११ गृहप्रवेश की विधि

परिशिष्ट

रेखाचित्र- १. गृहप्रवेशे वास्तुशान्तौ "चतुरस्रे एकाशीतिपदो वास्तुनरः"

रेखाचित्र- २. "देवप्रतिष्ठायां" चतुरस्रे चतुष्पष्टिपदो वास्तुनरः